कृष्ण दर्शन को मन ललचाया शिव भोला गोकुल में आया

कृष्ण दर्शन को मन ललचाया
शिव भोला गोकुल में आया ॥
शिव भोला गोकुल में आया...

झोली कांधे धरी हाथ ले ली छड़ी ॥
बंदर को हनुमान बनाया
शिव भोला गोकुल में आया ।
कृष्ण दर्शन को मन ललचाया...

द्वारे नंद बाबा के दिया डेरा जमा ॥
और डम डम डमरू बजाया
शिव भोला गोकुल में आया ।
कृष्ण दर्शन को मन ललचाया...

सुन के डमरू की तान बच्चे बूढ़े जवान ॥
सबने आ कर के घेरा बनाया
शिव भोला गोकुल में आया ।
कृष्ण दर्शन को मन ललचाया...

कहाँ थे तुम हरि काहे देरी करी ॥
मेरे नैनों को क्यों तरसाया
शिव भोला गोकुल में आया ।
कृष्ण दर्शन को मन ललचाया...

आए यशोधा के लाल किया शिव को निहाल ॥
हनुमत ने शीश झुकाया
शिव भोला गोकुल में आया ।
कृष्ण दर्शन को मन ललचाया...

करके शंभू का ध्यान चले करुणा निधान ॥
अपने भक्तों का मान बढ़ाया
शिव भोला गोकुल में आया ।
कृष्ण दर्शन को मन ललचाया...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34965/title/Krishan-darshan-ko-mann-lalchaya-Shiv-bhol-agokul-me-

aaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |